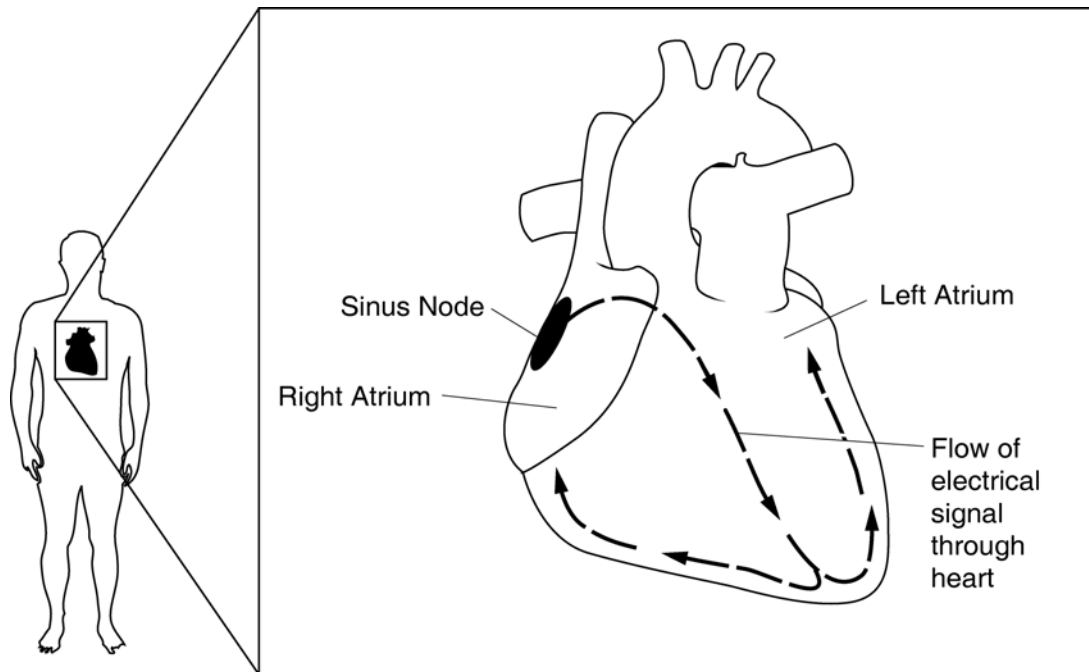


Atrial Fibrillation

Atrial fibrillation is also called A-fib or atrial fib. This is an abnormal heart rhythm.

The heart's rhythm is controlled by electrical signals in the heart. The **sinus node** sends electrical signals to the rest of the heart. These signals cause the heart to contract and pump blood. Normally, the heart contracts and relaxes at a regular rate. With atrial fib, the sinus node does not start the electrical signal. Signals come from other spots in the right or left atrium. This causes the heart to beat irregularly and at times very fast.



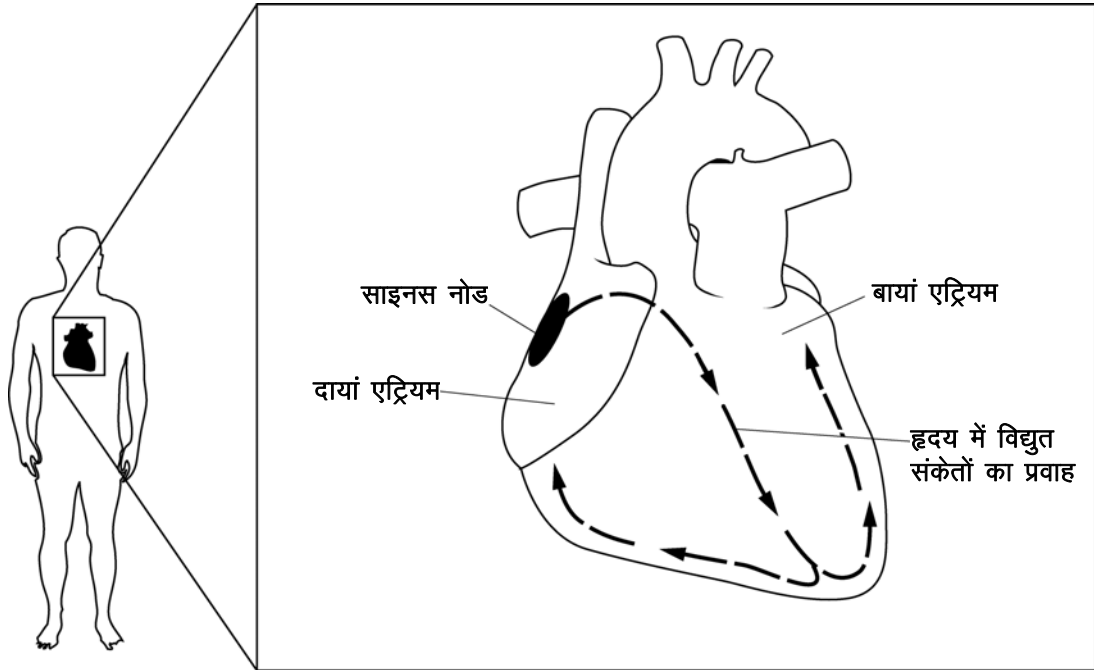
Signs of Atrial Fib

- Irregular heart beat
- The feeling of rapid thumping inside the chest called heart palpitations

एट्रियल फिब्रिलेशन

एट्रियल फिब्रिलेशन (अलिंद विकम्पन) को ए-फिब या एट्रियल फिब भी कहते हैं। यह हृदय की असामान्य गति होती है।

हृदय की गति हृदय में विद्युत संकेतों द्वारा नियंत्रित होती है। साइनस नोड शेष हृदय को विद्युत संकेत भेजता है। इन संकेतों के कारण हृदय सिकुड़ता और रक्त को पंप करता है। सामान्य रूप से, हृदय एक नियमित दर से सिकुड़ता और ढीला होता है। एट्रियल फिब होने से, साइनस नोड विद्युत संकेत आरंभ नहीं करता। संकेत दाएं या बाएं एट्रियम में अन्य स्थलों से आते हैं। इससे हृदय की धड़कन अनियमित और कभी-कभी बहुत तेज हो जाती है।



एट्रियल फिब के लक्षण

- हृदय की अनियमित धड़कन
- छाती के भीतर तेजी से ठोंकने का अहसास जिसे हृदय की धुकधुकी कहा जाता है

- Shortness of breath
- Tire easily with activity
- Feel faint, dizzy or lightheaded

Your Care

Your doctor will check your pulse and listen with a stethoscope for an irregular heart beat. Your doctor may order tests such as:

- An electrocardiogram (ECG or EKG)—a record of your heart's electrical activity
- Holter monitoring—a record of your heart rate for 24-48 hours
- Other tests to check for heart disease

Your treatment may include:

- Medicine to help regulate your heart rhythm and rate. You may also need to take a blood thinner called an anticoagulant to reduce the risk of blood clots and stroke.
- A cardioversion if medicine does not help. This is a low energy electrical shock applied through the skin to the heart to convert an abnormal heart rhythm to a normal rhythm. Sedation medicine is given before this is done.

People with atrial fib are at a higher risk for stroke or serious heart problems if atrial fib is not controlled. It is very important to be under a doctor's care.

Talk to your doctor or nurse if you have any questions or concerns.

- सांस फूलना
- गतिविधि करने पर आसानी से थक जाना
- बेहोशी, चक्कर आना या सिर हल्का महसूस होना

आपकी देखभाल

आपके डॉक्टर आपकी नाड़ी की जांच करेंगे और हृदय की अनियमित धड़कन के लिए स्टेथेस्कोप से सुनेंगे। आपके डॉक्टर इस तरह की जांचों का आदेश दे सकते हैं जैसे :

- इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी या ईकेजी) – आपके हृदय की विद्युत गतिविधि का एक रिकार्ड
- होल्टर मॉनिटरिंग – 24–28 घंटे तक आपकी हृदय दर का रिकार्ड
- हृदय रोग का पता लगाने के लिए अन्य जांच

आपके उपचार में यह शामिल हो सकता है :

- आपकी हृदय गति और दर को नियमित करने के लिए दवा। आपको रक्त के थक्के जमने और दौरा पड़ने का जोखिम कम करने के लिए एक रक्त पतला करने वाली दवा भी लेनी पड़ सकती है जिसे प्रतिस्कंदक (एंटीकोएग्युलेंट) कहते हैं।
- यदि दवाओं से लाभ नहीं होता तो कार्डियोवर्जन। यह असामान्य हृदय गति को सामान्य गति में बदलने के लिए त्वचा के जरिए हृदय को दिया गया कम ऊर्जा का विद्युत झटका होता है। ऐसा करने से पहले बेहोशी की दवा दी जाती है।

एट्रियल फिब को यदि नियंत्रित नहीं किया जाए, तो एट्रियल फिब वाले लोगों को दौरा पड़ने या हृदय की गंभीर समस्याओं का अधिक जोखिम होता है। डॉक्टर की देखरेख में रहना बहुत महत्वपूर्ण है।

यदि आपके कोई सवाल या चिंताएं हों तो अपने डॉक्टर या नर्स से बात करें।